Chapter 13

Class 9 geography notes – समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन

समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन

महत्त्वपूर्ण तथ्य-

समुदाय भावनात्मक लगाव से उत्पन्न समूह होता है जहाँ लोग मिल-जुलकर सुख-दुःख का सामना करते हैं। हम परिवार में शिशु के जन्म, नए घर में प्रवेश, विवाह से लेकर मृत्यु, आगजनी आँधी और ओलापात, जैसी सुख-दुःख का सामना हम समुदाय में रहकर ही करते हैं।

इसी मेल-जोल से समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन का विकास हुआ, यद्यपि आजकल एकल परिवारों का प्रचलन बढ़ गया है फिर भी जब एक मुहल्ले के लोग मिलजुल कर आवाज उठाते हैं तो वह ज्यादा कारगर तथा असरदार होती है।

आपदा प्रबंधन में समुदाय की केन्द्रीय भूमिका रहती है। आपदा में मकान जल सकते हैं, घर गिर जाते हैं बाद आ सकती है लेकिन समुदाय नहीं टूटता तथा समुदाय की एकता ही उसकी ताकत होती है। आपदा प्रबंधन के लिए जो सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं उसके वितरण में तथा प्रत्येक परिवार तक उसके लाभ को पहुंचाने में समुदाय की केन्द्रीय भूमिका रहती है। आपदा प्रबंधन एक महत्त्वपूर्ण सामुदायिक कार्य है।

इसके तीन प्रमुख अंग होते हैं-

(1) पूर्वानुमान, चेतावनी एवं प्रशिक्षण

(ii) आपदा के समय प्रबंधन गतिविधियाँ

(iii) आपदा के बाद प्रबंधन कार्य

इन तीनों ही कार्यों में परिवार, ग्राम सभा, स्वयंसेवी संस्था और निकटतम विद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

एक अकेला व्यक्ति किसी प्रकार की आपदा का सामना नहीं कर सकता। लेकिन जब वे एक से ज्यादा हो जाते हैं तो आपदा का सामना करने में आसानी होती है। भारत की स्वतंत्रता संग्राम के समय हिंदू मुस्लिम आपस में लड़ गए थे। तब यह सामुदायिक प्रबंधन ही था जिससे भाईचारे की पुनः स्थापना हो सकी थी।

आपदा प्रबंधन के अन्तर्गत ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपदा की सूचना देकर हम समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित तथा प्रभावी बना सकते हैं।

राष्ट्रीय स्तर के निर्णय के अनुसार ग्रामीण स्तर पर आपदा प्रबंधन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है जिससे आपदा के समय राहत तथा बचाव कार्य सुनियोजित तरीके से चलाया जा सके।

इस समिति के नौ सदस्य होते हैं-

विद्यालय के प्रधानाचार्य, गाँव का मुखिया, गाँव का सरपंच, गाँव के दो समर्पित लोग,

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का एक डॉक्टर, राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा के सदस्य, ग्राम सेवक, स्वयं सहायता समूह की दो महिलाएँ। इस समिति के कार्यों में चेतावनी देना, राहत शिविर का चयन करना, राहत कार्य चलाना, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करना, सभी को सुरक्षा देना, स्वच्छता का ख्याल रखना आदि आते हैं।

https://www.evidyarthi.in/